आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 289 | उज्जैन, सोमवार 08 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया मऊगंज के बहुती जल प्रपात का अवलोकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मऊगंज जिले के प्रवास पर नई गढ़ी जनपद पंचायत के बहुती जल प्रपात का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वाटरफॉल के नजदीक जाकर व्यू प्वाइंट से जलप्रपात की गिरती हुई दूधिया जल धारा और वहा बनने वाले इंद्रधनुष की आभा को देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहुती जल प्रपात के समीप कार्यक्रम स्थल पर गौपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जंगल में विचरण करने वाली गौमाताओं को अपनी एक आवाज में अपने पास बुलाने की कला रखने वाले रकरी गांव के गौसेवक सौखीलाल यादव ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम की दीदीओं द्वारा सम्मान कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती में हुआ पारंपरिक स्वागत-मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुती पहुंचने पर पारंपरिक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज की लोक कला की छात्राओं ने बघेली शैली नृत्य और स्थानीय लोक कलाकारों के दल ने अहिरहाई लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, पशुपालन डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल, विधायक सर्वश्री गिरीश गौतम, दिव्यराज सिंह और प्रदीप पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, कमिश्नर रीवा श्री बी.एस. जामोद, आई.जी. श्री गौरव राजपूत, कलेक्टर श्री संजय जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रजापति सहित नागरिक मौजूद थे।

पर्यटक स्थल के रूप में किया जा रहा है विकसित-कलेक्टर मऊगंज संजय जैन ने बताया कि बहुती जल प्रपात को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने एवं जन सुविधाओं के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए लागत की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है।

सशस्त्र बलों का एकीकरण जरूर होगा, चाहे जितना समय लगे, सेना प्रमुख ने बताया क्यों जरूरी है थियेटराइजेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सशस्त्र बलों के एकीकरण (थियेटराइजेशन) की खुलकर वकालत की है और कहा है कि युद्ध के दौरान अगर हमें सभी एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय करना है तो आज नहीं तो कल ये काम करना ही होगा।

थियेटराइजेशन पर वायु सेना और नौसेना प्रमुखों के भिन्न विचारों के बाद आया सेना प्रमुख का बयान

मॉनेकशा सेंटर में एक पुस्तक विमोचन के अवसर पर जनरल द्विवेदी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमें बस ये देखना है कि इसमें कितना वक्त लगता है और इसे कैसे बेहतर ढंग से किया जा सकता है। गौरतलब है कि थियेटराइजेशन पर अलग-अलग विचारों के उभरने से इस योजना पर एकराय नहीं बन पा रही थी। सेना प्रमुख के बयान के बाद हर तरह के संशय पर विराम लग सकेगा।

जनरल द्विवेदी ने ये भी बताया कि थियेटराइजेशन क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब भी हम युद्ध में होते हैं, तो केवल थल सेना ही नहीं लड़ रही होती है। हमारे पास सीमा सुरक्षा बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस भी होती है। तीनों सशस्त्र बल, डिफेंस साइबर एजेंसियां और डिफेंस स्पेस एजेंसियां भी काम करती हैं।

महिला द्बक्र- पर सवाल उठाने के बाद अजित पवार के नेता ने मांगी माफी, पोस्ट भी किया डिलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार और IPS अंजना कृष्णा के बीच तीखी बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल होने लगा था। IPS अंजना ने डिप्टी सीएम को नहीं पहचाना, दोनों की बातचीत कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। इसी बीच अजित पवार की पार्टी के नेता और NCP विधायक अमोल मिटकारी ने IPS अंजना पर सवाल खड़े कर दिए थे। अमोल मिलकारी ने IPS अंजना पर टिप्पणी करते हुए उनके शैक्षिक और जाति प्रमाण पत्र की मांग की थी। हालांकि, अब उन्होंने अपनी पोस्ट डिलीट करते हुए माफी मांगी है।

क्या है पूरा मामला- IPS अंजना कृष्णा करमाला में सब डिविजनल पुलिस अधिकारी हैं। एक गांव में खनन की शिकायत के खिलाफ वो कार्रवाई करने पहुंची थीं, तभी डिप्टी सीएम अजित पवार ने फोन करके उनसे कार्रवाई रोकने को कहा। मगर, IPS अंजना ने उनसे ही सवाल पूछ लिया कि आप डिप्टी सीएम हैं, इसका क्या सबूत है? IPS अंजना का सवाल सुनकर अजित पवार भड़क गए। अजित पवार और IPS अंजना की बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा।

पंजाब-हिमाचल और राजस्थान में बाढ़ का तांडव जारी, दिल्ली से यूपी तक भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी बारिश और बाढ़ ने पहाड़ी इलाकों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक त्राहि-त्राहि मच रखी है। मौसम विभाग का हर अलर्ट सही साबित हो रहा है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, बिहार जैसे राज्य इन दिनों इंद्र देव के प्रकोप को झेल रहे हैं। मौसम विभाग ने दिल्ली और यूपी के कई जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कल यानी 7 सितंबर का मौसम अलग-अलग रहेगा। हिमाचल और उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में बारिश से राहत रहेगी, लेकिन नैनीताल और चंपावत जैसे क्षेत्रों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान में बांसवाडा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सिरोही और उदयपुर जिले बाढ़ का पानी बढ़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री नौ सितंबर को करेंगे पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नौ सितंबर को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के सबसे पहले गुरदासपुर आने की संभावना है जहां रावी नदी से छोड़े गए पानी ने कहर बरपाया हुआ है। वह अमृतसर और तरनतारन जिलों के इलाकों का भी हवाई सर्वेक्षण कर सकते हैं।

वैसे अभी उनके दौरे का विवरण पंजाब सरकार को नहीं मिला है लेकिन सरकार को सूचित किया गया है कि प्रधानमंत्री नौ सितंबर को दोपहर बाद बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने इसकी पुष्टि कर दी है। उन्होंने बताया कि एक-दो दिन में प्रधानमंत्री के आने की विस्तृत जानकारी मिल जाएगी।

जीएसटी सुधारों से किसानों को सबसे ज्यादा लाभ- केंद्रीय कृषि मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीएसटी में सुधारों का सबसे ज्यादा लाभ किसानों को होगा। नए स्लैब से विशेषकर छोटे और मझोले किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि कृषि उपकरणों पर जीएसटी दरें कम होने से कृषि लागत घटेगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। जैव-कीटनाशक और सूक्ष्म-पोषक तत्वों पर जीएसटी घटाई गई है। डेरी क्षेत्र में दूध और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं होगा, जिससे स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी।

शनिवार को भोपाल में पत्रकारों से बातचीत करते शिवराज ने स्पष्ट किया कि भारतीय किसानों की कीमत पर कृषि उपज आयात के संबंध में अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह हर अच्छे काम के पीछे ट्रंप को देखती है, जबकि मोदी ने देश के हित को सर्वोपरि रखा है।

शिवराज ने कहा कि किसानों की जोत का आकार छोटा है, इसलिए हम देश को इंटीग्रेटेड फार्मिंग की दिशा में ले जाना चाहते हैं। उन्होंने खाद संकट पर कहा कि खाद की कमी नहीं है और वितरण व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। डीएपी, यूरिया, एनपीके की उपलब्धता पिछले साल से अधिक है।

जेलों में अब मोबाइल, नशीले पदार्थ रखना होगा मुश्किल

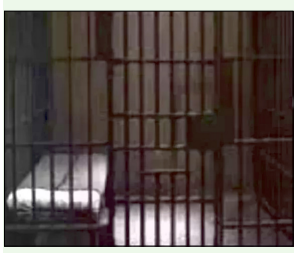

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की जेलों में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की मदद से कैदियों पर नजर रखी जाएगी। राज्य में करीब 60 जेल हैं। उन सभी में क्लोज सर्किट टीवी कैमरे लगे हैं। जेल अधिकारियों का कहना है कि मानव की आंखों से जेल के हरेक छोर पर नजर रखना संभव नहीं है। नजर हटने से बड़ी घटना हो सकती है। एआइ युक्त कैमरों से बेहद प्रभावी तरीके से नजर रखी जा सकेगी। इसकी बदौलत जेल में मोबाइल, नशीले पदार्थ व हथियार छिपाकर रखे जाने पर उनका आसानी से पता लगाया जा सकेगा।

अंदाज-ए-मोदी, भाजपा की कार्यशाला में आम सांसद बनकर सबसे पीछे बैठे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला रविवार को संसद परिसर में शुरू हुई। उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले इस कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जिसमें पीएम मोदी सहित भाजपा के सभी सांसद शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी का अनोखा अंदाज एक बार फिर देखने को मिला। वह बैठक में एक साधारण सांसद की तरह सबसे पीछे बैठे नजर आए। अब उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

रविवार सुबह शुरू हुई इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों ने पीएम मोदी को जीएसटी सुधारों के लिए बधाई दी। इसके बाद सभी सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी जानकारी दी गई। इस दौरान पीएम मोदी सबसे पीछे की पंक्ति में एक आम सांसद की तरह बैठे दिखे। गोरखपुर सांसद रवि किशन ने इसकी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर साझा की और लिखा कि सांसदों की कार्यशाला में आखिरी पंक्ति में बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। यही है भाजपा की ताकत। यहां हर कोई कार्यकर्ता है।

इससे पहले, जीएसटी में ऐतिहासिक सुधारों के लिए भाजपा सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और सम्मान किया। इस मौके पर जगदंबिका पाल ने जीएसटी सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने जीएसटी को लेकर एक बड़ा फैसला लिया, जो अंतरराष्ट्रीय टैरिफ के दबाव का विकल्प है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले विपक्ष जीएसटी को %गब्बर सिंह टैक्स% कहता था, और अब वे इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। पूरा देश उनकी सच्चाई जानता है।

बता दें कि इस दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य विधायी कौशल, शासन रणनीतियों और राजनीतिक संचार पर ध्यान देना है। नेताओं ने केंद्र सरकार के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और विपक्ष का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा की। रविवार को सांसद पूरे दिन की कार्यशाला में शामिल हुए। सोमवार को भी तीन घंटे का एक और सत्र निर्धारित है।

बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। पीएम मोदी उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले, सोमवार को भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्रष्ठ) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्ष के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के बीच सीधा मुकाबला है।

अमेरिका के एक कानून से रातों-रात बढ़ी थी डॉलर की डिमांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉलर का इस्तेमाल अमूमन सभी देश करते हैं। खासकर अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के लिए अमेरिकी डॉलर को ही सबसे विश्वसनीय मुद्रा माना जाता है। मगर, क्या आपने कभी सोचा है कि डॉलर एक वैश्विक करेंसी कैसे बना? जब डॉलर नहीं था, तो लोग कैसे व्यापार करते थे? दुनिया की सबसे मजबूत करेंसी के रूप में उभरने वाला डॉलर अगर ना हो, तो क्या होगा?

आज डॉलर के बिना अंतरराष्ट्रीय व्यापार ठप पड़ सकता है। मगर, एक समय था जब अमेरिका भी चवन्नी का मोहताज था। अमेरिका की अपनी कोई करेंसी नहीं थी। मगर, डॉलर ने अमेरिका को दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बना दिया।

डॉलर से पहले किसका इस्तेमाल होता था- डॉलर की कहानी बेशक अमेरिका की आजादी के बाद शुरू हुई, लेकिन इससे पहले अमेरिका में स्पेन के सिल्वर डॉलर्स का इस्तेमाल किया जाता था। दरअसल 17वीं शताब्दी में अमेरिका पर ब्रिटेन का कब्जा था और ब्रिटिशर्स अपनी गुलामी की बेड़ियों में जकड़े देशों को करेंसी सप्लाई करने में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं रखते थे। ऐसे में स्पैनिश सिल्वर डॉलर ही अमेरिका की डी-फैक्टो करेंसी बन गया।

डॉलर शब्द कहां से आया- डॉलर शब्द यूरोपीय भाषा के शब्द थैलर से निकला है। दरअसल उस समय यूरोप में चांदी के सिक्कों को थैलर कहा जाता था। 16वीं शताब्दी में सबसे पहले चेक गणराज्य ने थैलर यानी चांदी के सिक्के बनाए। यह शब्द यूरोप में फैला और अंग्रेज इसे थैलर की बजाए डॉलर कहने लगे।

अमेरिका में डॉलर की एंट्री- अमेरिका में पहले चांदी के सिक्कों से लेन-देन होता था। मगर, चांदी की कमी होने के कारण 1690 में सरकार ने पहली बार पेपर करेंसी शुरू की। वहीं, आजादी के बाद 1785 में डॉलर को अमेरिका की आधिकारिक मुद्रा के रूप मिली। 1913 में अमेरिका के केंद्रीय बैंक की स्थापना हुई और 1914 से डॉलर की छपाई का काम फेडरल रिजर्व को सौंप दिया गया।

डॉलर का प्रतीक समय के साथ बदलता चला गया। अब डॉलर को "$" से दर्शाया जाता है। दरअसल स्पैनिश अमेरिकन कॉलोनी में लोग करेंसी को पेसो कहते थे। यही वजह है कि डॉलर के प्रतीक को पेसो साइन भी कहा जाता है। पेसो को PS से दिखाया जाता था। समय के साथ दोनों को एक कर दिया गया और स के ऊपर क को लिखा जाने लगा। इसके बाद स पर एक लकीर खींचने ($) को ही पेसो साइन माना जाने लगा। अमेरिकी डॉलर के वैश्विक करेंसी बनने की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। यह कहानी शुरू होती है 1944 के ब्रेटन वुड्स समझौते से। दूसरा विश्वयुद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका के न्यू हैंम्पशायर शहर के ब्रेटन वुड्स शहर में 44 देशों के प्रतिनिधि इकट्ठा हुए।

मिलना है तो कीव आओ..., जेलेंस्की ने ठुकराया पुतिन का ऑफर; बोले- आतंकवादी की राजधानी नहीं जाऊंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बातचीत के लिए पुतिन का ऑफर ठुकरा दिया है। पुतिन ने जेलेंस्की को मॉस्को में मिलने के लिए बुलाया था। दोनों नेताओं के बीच शांति समझौते पर चर्चा होनी थी। लेकिन जेलेंस्की ने कह दिया है कि वह आतंकवादी की राजधानी नहीं जा सकते हैं।

हालांकि जेलेंस्की ने ये भी कहा है कि अगर पुतिन को उनसे बातचीत करनी है, तो वह कीव आ सकते हैं। पुतिन से डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद से ही अमेरिकी राष्ट्रपति जेलेंस्की और पुतिन पर आमने-सामने की बातचीत के लिए दबाव बना रहे हैं। इसी क्रम में रूस ने जेलेंस्की को मॉस्को आने और बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया था।

पुतिन ने भेजा था निमंत्रण- पिछले कुछ समय से यूक्रेन के शहरों पर रूस ने हमला तेज कर दिया है। इसी दौरान पुतिन ने कहा कि वह जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं, लेकिन मॉस्को में। एक दिन पहले पेरिस में हुए सम्मेलन में जेलेंस्की ने पुतिन की तरफ से निमंत्रण मिलने की पुष्टि तो की, लेकिन साथ ही कहा कि अगर आप चाहते हैं कि यह बैठक न हो, तो ही मुझे मॉस्को बुलाना चाहिए।

जेलेंस्की को जवाब देते हुए क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि जेलेंस्की को मॉस्को में बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया था, न कि सरेंडर करने के लिए। इधर अमेरिका दोनों नेताओं के बीच डायरेक्ट बातचीत को तवज्जो दे रहा है। ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि जेलेंस्की अमेरिका दौरे और यूरोपीय नेताओं से बातचीत के बाद पुतिन से मिलेंगे।

चाकू निकाला, गला काटा और उतार दिया मौत के घाट

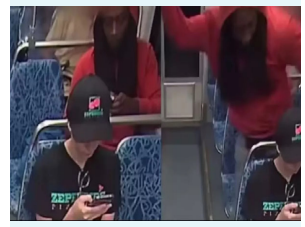

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध के चलते कई यूक्रेनी नागरिकों ने अपनी जान बचाने के लिए देश छोड़ दिया। यूक्रेन से भागे लोग अलग-अलग देशों में शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। हालांकि, इसी बीच अमेरिका की ट्रेन से एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है, जहां एक शख्स ने यूक्रेन की महिला को मौत के घाट उतार दिया।

यूक्रेन की 23 वर्षीय युवती इरीना जारुत्स्का कुछ महीनों पहले ही अमेरिका आई थीं। इरीना एक ट्रेन में सफर कर रही थीं, तभी एक शख्स ने अचानक उनपर हमला बोल दिया। इस घटना का पूरा वीडियो सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो 22 अगस्त की रात लगभग 10 बजे का है। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में इरीना एक ट्रेन जाकर बैठीं। इरीना अपने फोन में व्यस्त थीं, तभी उनके पीछे बैठे 34 वर्षीय शख्स ने जेब से चाकू निकाली और इरीना पर तीन बार वार किया। इस दौरान आरोपी ने इरीना की गर्दन को भी निशाना बनाया, जिससे उसकी मौत हो गई।

आरोपी शख्स की पहचान डेकार्लोस ब्राउन जूनियर के रूप में हुई है। सामने आए वीडियो में हमले की दिल दहलाने वाली फुटेज हटा दी गई है।

एस्ट्रोनॉमर कंपनी की Ex-HR हेड कैबोट ने डाली तलाक की अर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एस्ट्रोनॉमर कंपनी की पूर्व एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट अपने पति से तलाक लेंगी। उन्होंने इसके लिए तलाक की अर्जी भी दाखिल की है। उन्होंने ये फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब पिछले दिनों उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह एक कोल्ड कॉन्सर्ट में रोमांटिक होते नजर आई थीं। दरअसल, जुलाई में मैसाचुसेट्स के गिल्लेट स्टेडियम में एक कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट के क्रिस्टिन और बायरन पकड़े गए थे। इस दौरान उन्होंने कैमरे से बचने की कोशिश की थी। बता दें कि एंडी बायरन कंपनी के सीईओ और बॉस हैं।

कंपनी के दोनों अधिकारियों का वीडियो आया था सामने- क्रिस्टिन और बायरन रोमांटिक होते हुए कैमरे में कैद हुए, इस दौरान गायक क्रिस मार्टिन ने मजाक के लहजे में कहा था कि या तो दोनों का अफेयर है या फिर दोनों बेहद शर्मिलें हैं। बता दें कि जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, कई प्रकार की बहस छिड़ गई।

जैसे ही दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों ने दोनों के बारे में जानकारी एकत्र करना शुरू किया।

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा देंगे इस्तीफा, इस वजह से लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा आने वाले दिनों में अपना पद छोड़ देंगे। सत्तारूढ़ पार्टी में विभाजन से बचने के जापानी पीएम ने ये फैसला किया है। इस बात की जानकारी सामने आने के बाद दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में नई राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो गई है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने दावा किया कि उन्होंने जापान के पीएम कार्यालय से इस संबंध में जानकारी करने की कोशिश की। हालांकि, प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। बताया जा रहा है कि इशिबा शाम 6 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

बता दें कि पीएम के इस्तीफा वाली खबर के बीच जापान की राजनीति में भूचाल सा आ गया है। जापान में इसी साल जुलाई में उच्च सदन के लिए हुए चुनाव हुआ था। इसमें हार के बाद इशिबा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ा है।

पिछले साल बने थे जापान के पीएम- बता दें कि जापान के पीएम इशिबा ने पिछले साल ही पीएम पद की कमान संभाली थी। इस दौरान उन्होंने महंगाई से निपटने, पार्टी में सुधार समेत कई बड़े वादे किए थे। हालांकि, इसके बाद जब वह सत्ता में आए उसके बाद उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वहीं, उनकी पार्टी एनडीपी पर राजनीतिक धन उगाही घोटालों के आरोप ने उनकी मुश्किलों को बढ़ाया है।

वेनेजुएला के पास अमेरिका ने तैनात किए सबमरीन और F-35 फाइटर जेट, अचानक सेना बढ़ाने के पीछे क्या है वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने वेनेजुएला के पास अपनी सैन्य ताकत और बढ़ा दी है। आधिकारिक तौर पर तो यह कदम लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल्स से निपटने के लिए बताया जा रहा है, लेकिन इसने वेनेजुएला की राजनीति और लोगों में हलचल पैदा कर दी है।

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि उनकी सेना ने ड्रग्स ले जा रही एक नाव को नष्ट किया है, जिसमें 11 लोग मारे गए। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के रिश्ते और तनावपूर्ण हो गए हैं।

क्या-क्या किया तैनात- अमेरिका ने प्यूर्टो रिको में 10 F-35 लड़ाकू विमान भेजे हैं, जो ड्रग कार्टेल्स पर कार्रवाई करेंगे। इसके अलावा कैरेबियाई सागर में अमेरिकी नौसेना के कई जहाज मौजूद हैं, जिनमें मिसाइल विध्यवंसक जहाज और तीन बड़े सबमरीन भी शामिल हैं।

कुल मिलाकर 4 हजार से ज्यादा मरीन और नौसैनिक इस मिशन का हिस्सा बताए जा रहे हैं। नेवी प्रमुख एडमिरल डैरल कॉडल ने कहा कि उनकी जिम्मेदारी राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री को सैन्य विकल्प देना है। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि असली लक्ष्य क्या है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने क्या कहा- इस बढ़ती सैन्य गतिविधि पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कहा कि 90% से ज्यादा लोग अमेरिका के इन खतरों को खारिज करते हैं। उन्होंने दावा किया कि वेनेजुएला में कोका की खेती नहीं होती और यह देश ड्रग्स उत्पादन से मुक्त है। मादुरो ने कहा कि अमेरिका हमेशा देशों को बदनाम करने के लिए अलग-अलग आरोप लगाता रहा है।

जैसे युद्ध का मैदान हो, हुंडई-एलजी प्लांट पर इमीग्रेशन अधिकारियों का छापा; दक्षिण कोरिया के कई नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी के जॉर्जिया में स्थित अंडर कंस्ट्रक्शन हुंडई-एलजी प्लांट में इमीग्रेशन अधिकारियों ने छापा माकर 475 कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। इसमें से ज्यादातक दक्षिण कोरिया के नागरिक थे। अधिकारियों का कहना है कि ये लोग अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे। ये प्लांट इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए बैटरियों की सप्लाई करने के लिए स्थापित किया जा रहा था।

सोशल मीडिया पर इस छापामारी के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन्स के अधिकारी वहां मौजूद कर्मचारियों को बस के सामने हाथ रखने का आदेश दे रहे हैं। इसके बाद उनकी तलाशी ली जाती है और फिर हाथ, कमर और पैर में बेड़ियां पहना दी जाती हैं। एक मजदूर ने कहा कि अधिकारी ऐसे दाखिल हुए, जैसे ये कोई वॉर जोन हो।

अमेरिका में कोरियन कंपनियों का निवेश- दरअसल डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संबंध खराब होते जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच 350 अरब डॉलर के निवेश संबंधी ट्रेड डील को लेकर असहमति है। ट्रंप की हरकतों से परेशान होकर दक्षिण कोरिया ने अमेरिका से आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ लगा दिया था।

दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में कई प्लांट बनाए हुए हैं। इन प्लांट्स से गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स का प्रोडक्शन किया जाता है। जब ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की कंपनियों को टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, तो इससे बचने के लिए कई कंपनियों ने अमेरिका में फैक्ट्री बनाने में अरबों डॉलर इन्वेस्ट किया है।

जेल में क्लर्क का काम करेंगे प्रज्वल रेवन्ना, मिलेगी इतने रूपये की दिहाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जेल में लाइब्रेरियन क्लर्क का जिम्मा सौंपा गया है। प्रज्वल की जिम्मेदारी साथी कैदियों को किताबें देना और उधार ली गई किताबों का रिकॉर्ड रखना है।

प्रज्वल रेवन्ना परप्पना अग्रहारा जेल में बंद हैं। एक जेल अधिकारी के मुताबिक, प्रज्वल रेवन्ना को अपनी दैनिक जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए हर दिन के 522 रुपये मिलेंगे। बता दें कि जेल के नियमों के मुताबिक, आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों को किसी न किसी प्रकार का श्रम करना पड़ता है।

प्रशासनिक कार्य संभालने में रुचि दिखाई थी- हर कैदी को उनके कौशल और इच्छा के आधार पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। सूत्रों के मुताबिक, रेवन्ना ने प्रशासनिक कार्य संभालने में रुचि दिखाई थी, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें लाइब्रेरी में रखने का फैसला किया। प्रज्वल ने एक दिन का काम पूरा भी कर लिया है।

कैदियों को सप्ताह में 3 दिन काम करना होता है। आमतौर पर उन्हें महीने में 12 दिन काम करना पड़ता है। हालांकि प्रज्वल रेवन्ना अपने वकीलों से मिलने और अदालती कार्यवाही में भाग लेने में ज्यादातर समय बिताता है।

गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और वरिष्ठ जद (एस) नेता और होलेनरसीपुरा के विधायक एच डी रेवन्ना के बेटे रेवन्ना को हाल ही में उनके खिलाफ दर्ज बलात्कार के एक मामले में ट्रायल कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

सरकार ने मरीजों को दी बड़ी राहत, तय की गई 42 दवाइयों की खुदरा कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोगों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने 42 सामान्य औषधियों के खुदरा मूल्य तय कर दिए हैं। इसमें ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक और इप्का लेबोरेट्रीज शामिल हैं।

दरअसल, इन दवाइयों का उपयोग आम तौर पर अंग प्रत्यारोपण के बाद किया ऑर्गन रिजेक्शन रोकने के लिए किया जाता है। बताया जा रहा है कि मेरोपेनम और सुलबैक्टम इंजेक्शन की खुदरा कीमत 1,938.59 रुपये प्रति शीशी है।

इसके अलावा माइकोफेनोलेट मोफेटिल की कीमत 131.58 रुपये प्रति टैबलेट है। बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में उपयोग की जाने वाली एबॉट हेल्थकेयर की क्लैरिथ्रोमाइसिन एक्सटेंडेड-रिलीज टैबलेट की कीमत अब 71.71 रुपये प्रति टैबलेट है। बता दें कि इसी साल फरवरी में राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने फरवरी में ही आदेश जारी किया था। इस आदेश में कहा गया कि सभी निर्माताओं को तय कीमतों की सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को सौंपे।

पैगंबर मोहम्मद से दरगाह का कनेक्शन..., हजरतबल में अशोह चिह्न की तोड़फोड़ पर क्या बोले किरेन रिजिजू?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हजरबल दरगाह पर लगे अशोक चिह्न को तोड़ने का मामला लगातार चर्चा में है। पुलिस ने मामले पर एक्शन लेते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इसी के तहत 26 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं, अब केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इस कृत्य की आलोचना की है।

संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू का कहना है कि हजरतबल दरगाह शांति का प्रतीक है। ऐसी जगह पर राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान बेहद निंदनीय है।

किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, हजरतबल श्राइन शांति का प्रतीक है। पैगंबर मुहम्मद के अवशेष से इस दरगाह का गहरा संबंध है, जो वास्तव में विश्वास और एकता को दर्शाता है। मैं हजरतबल दरगाह के शिलापट पर अंकित अशोका चिह्न को तोड़ने की कड़ी निंदा करता हूं।

दरअसल किरण रिजिजू ने यह पोस्ट जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष डॉक्टर दरक्षन अंद्राबी के ट्वीट के जवाब में लिखा था। डॉक्टर दरक्षन ने भी इसे आतंकी हमला करार देते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। श्रीनगर में स्थित हजरतबल दरगाह के दरवाजे पर उद्घाटन स्तंभ लगा है, जिसपर राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न अंकित था।

स्कूल में प्रिंसिपल रूम के बाहर मरा पक्षी रखकर किया जादू-टोना, दहशत में आए शिक्षकों ने उठाया ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, यहां शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बोरसी में किसी अंधविश्वास फैलाने के लिए टोटका कर दिया। स्कूल में प्रिंसिपल रूम के बाहर दरवाजे पर तंत्र-मंत्र की आड़ी तिरछी रेखाएं खिची हुई थी, वहीं खून से लथपथ कोयल और सिंदूर से रंगा हुआ नींबू पड़ा हुआ था।

सुबह जैसे ही इसकी जानकारी मिली तो बच्चे और टीचर सभी दहशत में आ गए। आनन-फानन में- बैगा को बुलाया गया और झाड़-फूंक कराकर वहां सफाई की गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, हालांकि किसने इस घटना का अंजाम दिया है, उसका कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया है। पुलिस आस-पास के सीसीटीवी खंगालने में जुटी है।

मामला शुक्रवार का है, जब दुर्ग नगर निगम के बोरसी के पार्षद गुलशन साहू ने बताया कि स्कूल की प्रिंसिपल के ऑफिस के बाहर किसी ने तंत्र-मंत्र जैसा कुछ किया हुआ था, जिसकी जानकारी मुझे फोन पर दी गई। मैं तुरंत मौके पर पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पार्षद गुलशन साहू बताया कि प्रिंसिपल ऑफिस के गेट के सामने ही मरा हुआ पक्षी रख दिया, जिसे देखकर ऐसा लग रहा था कि किसी ने टोटका किया हो। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की तस्वीर ली और पुलिस के सामने ही वहां सफाई कराई गई। घटना की जानकारी जब गांव वालों को लगी तो उन्होंने बैगा बुलाकर पूजा कराई। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

NDA या INDIA, उपराष्ट्रपति चुनाव में किसका साथ देंगे ओवैसी? AIMIM अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर किया रिवील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की तारीखें नजदीक आ गई हैं। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति का चुनाव होना है। इसी बीच AIMIM के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इंडिया ब्लॉक का साथ देने का एलान किया है। ओवैसी का कहना है कि वो और उनकी पार्टी इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी.सुदर्शन रेड्डी को अपना वोट देंगे।

ओवैसी का दावा है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने उनसे इंडिया ब्लॉक का साथ देने की गुजारिश की है। सुदर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस हैं, जो NDA उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को टक्कर देंगे।

ओवैसी ने शेयर किया पोस्ट- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए ओवैसी ने लिखा, तेलंगाना के सीएम कार्यालय ने आज मुझसे बात की और उपराष्ट्रपति चुनाव में जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की गुजारिश की। जस्टिस रेड्डी हैदराबादी होने के साथ-साथ माननीय न्यायाधीश रहे हैं। इसलिए AIMIM उन्हें समर्थन देने को तैयार है। मैंने जस्टिस रेड्डी से बात करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

विपक्ष ने 19 अगस्त को बी.सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनके नाम का एलान करते हुए इस चुनाव को विचारधारा का युद्ध बताया था।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार कौन- बी.सुदर्शन रेड्डी आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करने के बाद गुवाहाटी हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। 2007 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जस्टिस बनाया गया था। वहीं, 2011 में वो रिटायर हुए थे।

NDA के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र समेत कई बड़े राज्यों के गवर्नर रह चुके हैं। 12 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके नाम की घोषणा की थी।

ये बंगाल है... तुम्हारे मुंह में तेजाब डाल दूंगा, भाजपा विधायक को TMC नेता की खुली धमकी के बाद मचा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस नेताओं द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं, कार्यकर्ताओं को धमकी देना कोई नई बात नहीं है। कुछ माह पहले बांकुड़ा के ओंदा के भाजपा विधायक को तृणमूल नेताओं ने हाथ-पैर तोड़ने की धमकी थी। इसके बाद अब मालदा जिले के अध्यक्ष अब्दुर रहीम बख्शी ने विधानसभा में भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक व विधायक के मुंह में तेजाब डालने की धमकी दी है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है।

इससे पहले भी अब्दुर रहीम ने भाजपा, माकपा और कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के हाथ-पैर काटने की धमकी दी थी। तृणमूल के जिला अध्यक्ष अब्दुर रहीम बख्शी ने शनिवार शाम को एक सभा को संबोधित करते हुए तेजाब डालने वाली टिप्पणी की है। एक सभा का आयोजन तृणमूल की ओर से अन्य राज्यों में बंगाली भाषी प्रवासी मजदूरों पर अत्याचार के विरोध में किया गया था।

अपने भाषण में, बख्शी ने भाजपा विधायक शंकर घोष पर हमला बोला, हालांकि उन्होंने उनका नाम नहीं लिया। बिना नाम लिए उन पर तृणमूल जिला अध्यक्ष ने निशाना साधा। विधानसभा में घोष की ओर से बंगाल के प्रवासी मजदूरों को रोहिंग्या व बांग्लादेशी बताने वाली पिछली टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, बख्शी ने कहा कि जो बेशर्मी से कहते हैं कि बंगाल के 30 लाख प्रवासी मजदूर जो बाहर काम करते हैं, वे बंगाली नहीं हैंज वे रोहिंग्या हैं, बांग्लादेशी हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने तब भी कहा था और आज भी कह रहा हूं अगर मैं तुमसे यह दोबारा सुनूंगा, तो मैं तुम्हारे मुंह में तेजाब डालकर तुम्हारी आवाज जलाकर राख कर दूंगा। तुम्हें पता होना चाहिए कि यह बंगाल है। हम बंगाली तुम्हें बोलने की जगह नहीं देंगे। मैं तुम्हारा चेहरा तेजाब से जला दूंगा।

उन्होंने लोगों से बीजेपी के झंडे फाड़ने और जिले में पार्टी नेताओं का सामाजिक बहिष्कार करने का आग्रह किया। इस टिप्पणी की भाजपा ने उनके भयान की निंदा की और तृणमूल पर धमकी और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

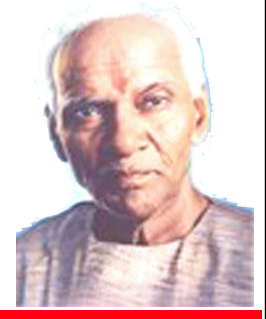

विक्रम संवत 2079 शुक्ल प्रतिपदा

संपादकीय

पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है...

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। पृथ्वी की सतह का लगभग 70त्न भाग जल से आच्छादित है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97त्न समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है द्यअतः मात्र 3त्न जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं।

श्राद्ध

श्राद्ध पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक हैं। पितरों के निमित्त विधिपूर्वक जो कर्म श्रद्धा से किया जाता है, उसी को श्राद्ध कहते हैं। हिन्दू धर्म के अनुसार, प्रत्येक शुभ कार्य के प्रारम्भ में माता-पिता, पूर्वजों को नमस्कार या प्रणाम करना हमारा कर्तव्य है, हमारे पूर्वजों की वंश परम्परा के कारण ही हम आज यह जीवन देख रहे हैं, इस जीवन का आनंद प्राप्त कर रहे हैं। इस धर्म में, ऋषियों ने वर्ष में एक पक्ष को पितृपक्ष का नाम दिया, जिस पक्ष में हम अपने पितरेश्वरों का श्राद्ध, तर्पण, मुक्ति हेतु विशेष क्रिया संपन्न कर उन्हें अर्ध्य समर्पित करते हैं। यदि किसी कारण से उनकी आत्मा को मुक्ति प्रदान नहीं हुई है तो हम उनकी शांति के लिए विशिष्ट कर्म करते है, जिसे श्राद्ध कहते हैं।

श्राद्ध एक परिचय

ब्रह्म पुराण ने श्राद्ध की परिभाषा इस प्रकार की है, जो कुछ उचित काल, पात्र एवं स्थान के अनुसार उचित (शास्त्रानुमोदित) विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दिया जाता है, वह श्राद्ध कहलाता है।

पिण्ड का अर्थ

श्राद्ध-कर्म में पके हुए चावल, दूध और तिल को मिश्रित करके पिण्ड बनाते हैं, उसे सपिण्डीकरण कहते हैं। पिण्ड का अर्थ है शरीर। यह एक पारंपरिक विश्वास है, जिसे विज्ञान भी मानता है कि हर पीढ़ी के भीतर मातृकुल तथा पितृकुल दोनों में पहले की पीढ़ियों के समन्वित गुणसूत्र उपस्थित होते हैं। चावल के पिण्ड जो पिता, दादा, परदादा और पितामह के शरीरों का प्रतीक हैं, आपस में मिलकर फिर अलग बाँटते हैं। यह प्रतीकात्मक अनुष्ठान जिन जिन लोगों के गुणसूत्र (जीन्स) श्राद्ध करने वाले की अपनी देह में हैं, उनकी तृप्ति के लिए होता है।

श्राद्ध के नियम

दैनिक पंच यज्ञों में पितृ यज्ञ को ख़ास बताया गया है। इसमें तर्पण और समय-समय पर पिण्डदान भी सम्मिलित है। पूरे पितृपक्ष भर तर्पण आदि करना चाहिए। इस दौरान कोई अन्य शुभ कार्य या नया कार्य अथवा पूजा-पाठ अनुष्ठान सम्बन्धी नया काम नहीं किया जाता। साथ ही श्राद्ध नियमों का विशेष पालन करना चाहिए। परन्तु नित्य कर्म तथा देवताओं की नित्य पूजा जो पहले से होती आ रही है, उसको बन्द नहीं करना चाहिए।

श्राद्ध के वैज्ञानिक पहलू

जन्म एवं मृत्यु का रहस्य अत्यन्त गूढ़ है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमदभागवत में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएँ सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में अधिकांश लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं, जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुँच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है, क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं, जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है।

श्राद्ध-कर्म की संक्षिप्त विधि

श्राद्ध दिवस से पूर्व दिवस को बुद्धिमान पुरुष श्रोत्रिय आदि से विहित ब्राह्मणों को पितृ-श्राद्ध तथा 'वैश्व-देव-श्राद्ध' के लिए निमंत्रित करें।

पितृ-श्राद्ध के लिए सामर्थ्यानुसार अयुग्म तथा वैश्व-देव-श्राद्ध के लिए युग्म ब्राह्मणों को निमंत्रित करना चाहिए।

निमंत्रित तथा निमंत्रक क्रोध, स्त्रीगमन तथा परिश्रम आदि से दूर रहे।

पितृ का अर्थ

पितृ का अर्थ है पिता, किन्तु पितर शब्द जो दो अर्थों में प्रयुक्त हुआ है–

व्यक्ति के आगे के तीन मृत पूर्वज

मानव जाति के प्रारम्भ या प्राचीन पूर्वज जो एक पृथक् लोक के अधिवासी के रूप में कल्पित हैं।

तर्पण

आवाहन, पूजन, नमस्कार के उपरान्त तर्पण किया जाता है। जल में दूध, जौ, चावल, चन्दन डाल कर तर्पण कार्य में प्रयुक्त करते हैं। मिल सके, तो गंगा जल भी डाल देना चाहिए। तृप्ति के लिए तर्पण किया जाता है। स्वगर्स्थ आत्माओं की तृप्ति किसी पदार्थ से, खाने-पहनने आदि की वस्तु से नहीं होती, क्योंकि स्थूल शरीर के लिए ही भौतिक उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। मरने के बाद स्थूल शरीर समाप्त होकर, केवल सूक्ष्म शरीर ही रह जाता है। सूक्ष्म शरीर को भूख-प्यास, सर्दी-गर्मी आदि की आवश्यकता नहीं रहती, उसकी तृप्ति का विषय कोई, खाद्य पदार्थ या हाड़-मांस वाले शरीर के लिए उपयुक्त उपकरण नहीं हो सकते। सूक्ष्म शरीर में विचारणा, चेतना और भावना की प्रधानता रहती है, इसलिए उसमें उत्कृष्ट भावनाओं से बना अन्तःकरण या वातावरण ही शान्तिदायक होता है।

श्राद्ध की महत्ता

सूत्रकाल (लगभग ई. पू. 600) से लेकर मध्यकाल के धर्मशास्त्रकारों तक सभी लोगों ने श्राद्ध की महत्ता एवं उससे उत्पन्न कल्याण की प्रशंसा के पुल बाँध दिये हैं। आपस्तम्ब धर्मसूत्र ने अधोलिखित सूचना दी है- पुराने काल में मनुष्य एवं देव इसी लोक में रहते थे। देव लोग यज्ञों के कारण (पुरस्कारस्वरूप) स्वर्ग चले गये, किन्तु मनुष्य यहीं पर रह गये। जो मनुष्य देवों के समान यज्ञ करते हैं वे परलोक (स्वर्ग) में देवों एवं ब्रह्मा के साथ निवास करते हैं। तब (मनुष्यों को पीछे रहते देखकर) मनु ने उस कृत्य को आरम्भ किया जिसे श्राद्ध की संज्ञा मिली है, जो मानव जाति को श्रेय (मुक्ति या आनन्द) की ओर ले जाता है। इस कृत्य में पितर लोग देवता (अधिष्ठाता) हैं, किन्तु ब्राह्मण लोग (जिन्हें भोजन दिया जाता है) आहवानीय अग्नि (जिसमें यज्ञों के समय आहुतियाँ दी जाती हैं) के स्थान पर माने जाते हैं।

श्राद्ध की आहुति

आहुतियों के विषय में भी मत मतान्तर हैं। काठक गृह्यसूत्र, जैमिनिय गृह्यसूत्र एवं शांखायन गृह्यसूत्र ने कहा है कि तीन विभिन्न अष्टकाओं में सिद्ध (पके हुए) शाक, मांस एवं अपूप (पूआ या रोटी) की आहुतियाँ दी जाती हैं। किन्तु पार. गृह्यसूत्र एवं खादिरगृह्यसूत्र ने प्रथम अष्टका के लिए अपूपों (पूओं) की एवं अन्तिम के लिए सिद्ध शाकों की व्यवस्था दी है। खादिरगृह्यसूत्र से गाय की बलि होती हैं आश्वलायन गृह्यसूत्र, गोभिलगृह्यसूत्र, कौशिक एवं बौधायन गृह्यसूत्र के मत से इसके कई विकल्प भी हैं गाय या भेंड़ या बकरे की बलि देना; सुलभ जंगली मांस या मुध-तिल युक्त मांस या गेंडा, हिरन, भैंसा, सूअर, शशक, चित्ती वाले हिरन, रोहित हिरन, कबूतर या तीतर, सारंग एवं अन्य पक्षियों का मांस या किसी बूढ़े लाल बकरे का मांस; मछलियाँ; दूध में पका हुआ चावल (लपसी के समान), या बिना पके हुए अन्न या फल या मूल, या सोना भी दिया जा सकता है, अथवा गायों या साँड़ों के लिए केवल घास खिलायी जा सकती है। या वेदज्ञ को पानी रखने के लिए घड़े दिये जा सकते हैं, या यह मैं अष्टका का सम्पादन करता हूँ ऐसा कहकर श्राद्धसम्बन्धी मंत्रों का उच्चारण किया जा सकता है।

विशद वर्णन

श्राद्ध संबंधी साहित्य विशाल है। वैदिक संहिताओं से लेकर आधुनिक टीकाओं एवं निबन्धों तक में श्राद्ध के विषय में विशद वर्णन प्राप्त होता है। पुराणों में श्राद्ध के विषय में सहस्त्रों श्लोक हैं। वैदिक संहिताओं एवं ब्राह्मण ग्रन्थों, गृह्यसूत्रों एवं धर्मसूत्रों से लेकर आरम्भिक स्मृतिग्रन्थों यथा मनु एवं याज्ञवल्क्य की स्मृतियों तक, तदनन्तर प्रतिनिधि पुराण एवं मेधातिथि, विज्ञानेश्वर तथा अपरार्क की टीकाओं द्वारा उपस्थित विवेचनों से लेकर मध्यकालिक निबन्धों तक का वर्णन है। पौराणिक काल में कतिपय शाखाओं की ओर संकेत मिलते हैं। स्मृतियों एवं महाभारत के वचनों तथा सूत्रों, मनु, याज्ञवल्क्य एवं अन्य स्मृतियों की टीकाओं के अतिरिक्त श्राद्ध सम्बन्धी निबन्धों की संख्या अपार है।

फिजिक्सवाला कोचिंग IPO पर आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडटेक यूनिकॉर्न फिजिक्सवाला का IPO जल्द ही आने वाला है। कंपनी ने सेबी के पास अपना अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इसका टारगेट 3,100 करोड़ रुपये के नए इश्यू के साथ 3,820 करोड़ रुपये जुटाना है। इसके को-फाउंडर अलख पांडे और प्रतीक माहेश्वरी इसके लिए 360 करोड़ रुपये की बिक्री की पेशकश करेंगे।

इस कंपनी को 18 जुलाई को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी मिली थी। वेस्टब्रिज, जीएसवी और लाइटस्पीड द्वारा समर्थित, एडटेक ने नए ऑफलाइन और हाइब्रिड केंद्र (460 करोड़ रुपये) स्थापित करने, मौजूदा केंद्रों के लिए पट्टे के भुगतान (548 करोड़ रुपये) को पूरा करने, सहायक कंपनियों में निवेश (81 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

इक्विटी शेयरों का अंकित मूल्य 1 रुपये प्रति शेयर है। प्राइस बैंड, IPO समय, लिस्टिंग डेट और अन्य जानकारी सेबी की मंजूरी मिलने के बाद जारी की जाएगी। जुलाई में, फिजिक्सवाला को गोपनीय रूप से दायर किए गए अपने मसौदा पत्रों के लिए बाजार नियामक की मंजूरी प्राप्त हुई।

पिछले फंडिंग राउंड में, जो कि फिजिक्सवाला के पिछले वैल्युएशन 1.1 बिलियन (करीब 9698 करोड़ से) से 2.5 गुना अधिक था। हॉर्नबिल कैपिटल लीड करने वाले में लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स के साथ-साथ मौजूदा निवेशक जीएसवी और वेस्टब्रिज ने भी भाग लिया था। डीआरएचपी के अनुसार, प्रमोटर अलख पांडे और प्रतीक माहेश्वरी प्रत्येक 360 करोड़ रुपये तक के शेयर बेचेंगे।

जेपी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) और कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी आईपीओ के प्रमुख बैंकर हैं।

कंपनी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बच्चों को पढ़ाती है। डीआरएचपी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में इस प्लेटफॉर्म के 44.6 लाख पेड यूजर्स थे, जो वित्त वर्ष 23 और वित्त वर्ष 25 के बीच 59त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़े।

पैसे छापने की मशीन बने ये शेयर, सालभर में ही 1 लाख को बना दिया 3 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय शेयर बाजारों के लिए मिला-जुला रहा है। इंडेक्स निवेशकों के लिए खुश होने का कोई खास मौका नहीं रहा, मुख्य निफ्टी लगभग 4त्न ही चढ़ा और मिडकैप व स्मॉलकैप दोनों इंडेक्स घाटे में रहे। फिर भी, ट्रंप के टैरिफ और अस्थिर विदेशी निवेश के शोर के बीच, कई कंपनियों ने अच्छा रिटर्न दिया है। आज हम आपको ऐसे 8 शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जिसने सालभर में ही 36,000त्न तक का तगड़ा रिटर्न दिया।

एलीटकॉन इंटरनेशनल- सालभर में एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर 15,000त्न तक का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 1 रुपये से बढ़कर 253 रुपये पर आ गया। सालभर में ही इसने 1 लाख को 2 करोड़ रुपये बना दिया।

आरआरपी सेमीकंडक्टर- सालभर में आरआरपी सेमीकंडक्टर के शेयर 35,000त्न तक का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 15 रुपये से बढ़कर 5,130 रुपये पर आ गया। सालभर में ही इसने 1 लाख को 3 करोड़ रुपये बना दिया।

मिडवेस्ट गोल्ड- सालभर में मिडवेस्ट गोल्ड के शेयर 3,000त्न तक का रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 63 रुपये से बढ़कर 2,017 रुपये पर आ गया।

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स- सालभर में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के शेयर 8,000त्न तक का रिटर्न दिया है।

कौन हैं जेसन मिलर? भारत सरकार के लिए करते हैं लॉबिंग, टैरिफ टेंशन के बीच प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ रिश्तों को फिर से सुधारने की कवायद में लग गए हैं। उन्होंने पीएम मोदी को महान नेता बताया, इसके जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर विश्वास जताया है। ऐसे में कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या जल्द भारत व स ट्रेड डील पर बातचीत शुरू करेंगे। इस बीच अमेरिका में पॉलिटिकल लॉबिस्ट जेसन मिलर, जो भारत सरकार द्वारा नियुक्त लॉबिंग फर्म का नेतृत्व करते हैं, ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की है।

मिलर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर व्हाइट हाउस से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने अपनी यात्रा को वाशिंगटन में एक शानदार सप्ताह बताया। हालांकि बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी तक सामने नहीं आया है, लेकिन इस मीटिंग की टाइमिंग बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की नए सिरे से समीक्षा हो रही है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच साझेदारी को समृद्ध करने की उम्मीद जाहिर की है।

दरअसल, अमेरिका में लॉबिंग को कानूनी रूप से मान्यता है और जेसन मिलर एक लॉबिस्ट और ट्रंप के करीबी विश्वासपात्र हैं। खास बात है कि जेसन मिलर, वाशिंगटन में भारतीय हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक रजिस्टर्ड विदेशी एजेंट हैं। पब्लिक डॉक्यूमेंट्स से पता चलता है कि उन्होंने भारत सरकार की ओर से पैरवी की है।

इस साल अप्रैल में भारत सरकार ने मिलर की फर्म, SHW पार्टनर्स LLC के साथ एक साल के लिए 1.8 मिलियन डॉलर का कॉन्ट्रेक्ट किया था। इस समझौते में 150,000 डॉलर का मंथली चार्ज शामिल है। इसके तहत SHW अमेरिकी सरकार, अमेरिकी कांग्रेस, राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों, थिंक टैंकों और अन्य संबंधित स्टैकहोल्डर के सामने पॉलिसी से जुड़े मामलों पर स्ट्रैटेजिक कंसल्टेंट और सरकारी संबंधों में सहायता पर सुझाव प्रदान करता है।

सहारा इंडिया के खिलाफ ईडी की 1.74 लाख करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग चार्जशीट

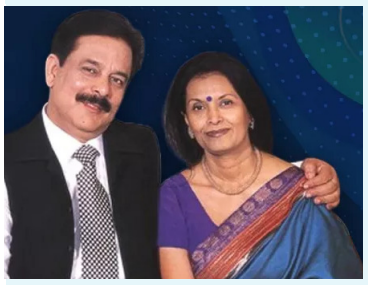

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2023 में जब सहारा इंडिया के फाउंडर सुब्रत रॉय का 75 वर्ष की आयु में निधन हुआ तो तब भी लोगों के मन सवाल था क सहारा में फंसी रकम कैसे मिलेगी?

अब जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सहारा परिवार के सदस्यों और कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है, तो फिर वही सवाल खड़ा हो गया है! दरअसल रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय और उनके बेटे सुशांतो रॉय पर 1.74 लाख करोड़ रुपये के हेराफेरी का मामला दर्ज किया गया है।

मां और बेटे के अलावा जेपी वर्मा, अनिल अब्राहम और मामले के अन्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। जो कि कंपनी के कुछ अधिकारी हैं।

ईडी ने कोलकाता स्थित धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में अपना आरोपपत्र दाखिल किया है। ईडी के अनुसार, सुशांतो रॉय पूछताछ में शामिल नहीं हुए और लापता हैं। अब उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट हासिल करने के प्रयास चल रहे हैं।

यह आरोपपत्र सहारा समूह से जुड़े 9 परिसरों पर कई राज्यों में की गई छापेमारी के बाद आया है। ईडी ने बताया कि ये छापे उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मुंबई में सहारा समूह के साथ ज़मीन और शेयर लेनदेन से जुड़ी संस्थाओं पर मारे गए।

कितनी है जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा की सैलरी और नेटवर्थ? पीएम मोदी और प्रेसिडेंट ट्रंप से ज्यादा या कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान में राजनीतिक अस्थिरता के बीच सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) में फूट से बचने के लिए जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इस्तीफा देने का फैसला किया है। इशिबा के इस्तीफे की खबर रविवार को फैलनी शुरू हुई और सबसे पहले पब्लिक ब्रॉडकास्टर ह्राय ने इसकी सूचना दी। हालाँकि, जापान के प्रधानमंत्री ऑफिस ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की और मामला अभी तक पब्लिक नहीं किया गया है।

मगर क्या आप जानते हैं कि जापान के पीएम की सैलरी और नेटवर्थ कितनी है? यहां हम आपको बताएंगे कि पीएम इशिबा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में किसकी सैलरी और नेटवर्थ सबसे ज्यादा है।

जापान के पीएम की सैलरी और नेटवर्थ

जापान के पीएम इशिबा की मंथली सैलरी करीब 33.4 लाख येन है, जो भारतीय करेंसी में करीब 20 लाख रुपये बनते हैं। यानी उनकी सालाना सैलरी करीब 2.4 करोड़ रु है। रिपोर्ट्स के अनुसार उनकी नेटवर्थ करीब 44 करोड़ रुपये हो सकती है।

पीएम मोदी की सैलरी और नेटवर्थ- बात करें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनकी मासिक सैलरी 1.66 लाख रुपये है। यानी वे सैलरी के रूप में हर साल करीब 20 लाख रुपये कमाते हैं। वहीं उनकी नेटवर्थ पिछले साल आम चुनावों में दाखिल किए गए हलफनामे के अनुसार 3.02 करोड़ रुपये है। उन पर कोई लायबिलिटी यानी कर्ज नहीं है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जापान और भारत के प्रधामंत्रियों से ज्यादा अमीर हैं। दरअसल पीएम मोदी या पीएम इशिबा बिजनेसमैन नहीं हैं, जबकि ट्रंप एक कारोबारी और अमीर फैमिली से आते हैं।

400 कमरों का शाही महल- 1 करोड़ से भी कम में बना, आज कीमत 40,000 करोड़; 29 साल का ये युवा है इकलौता वारिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक ऐसा महल... जिसकी छत की मजबूती परखने के लिए 8 हाथी दौड़ाए गए हों। जहां के दरबार हॉल में 7 टन वजनी दो झूमर लटके हों, और कमरे इतने कि गिनते-गिनते ही थक जाएं। ये है ग्वालियर का जय विलास पैलेस। कभी इसे बनाने में 1 करोड़ रुपए से भी कम खर्च हुए थे। लेकिन आज इसकी कीमत करीब 40 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा है।

हैरानी की बात तो यह है कि इस शाही विरासत का वारिस सिर्फ 29 साल का एक युवा है। जिनका नाम है- महाआर्यमान सिंधिया, जो बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे हैं। महाआर्यमान को हाल ही में मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया है।

ग्वालियर के गाइड मोहम्मद हुसैन रिजवी उर्फ मनान रिजवी बताते हैं कि जय विलास पैसेल का निर्माण ग्वालियर के महाराजा जयाजीराव सिंधिया ने करावाया था। यह 124,771 फुट एरिया में बना है, जो 1874 में बनकर तैयार हुआ था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हाथ में इस्लामिक झंडा, छतरपुर एसडीओपी और ट्रैफिक प्रभारी का वीडियो वायरल; बढ़ा विवाद

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर निकाले गए जुलूस में हुई एक घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। बीते शुक्रवार को निकाले गए इस जुलूस में मुस्लिम समाज के हजारों लोग शामिल हुए।

सुरक्षा के लिहाज से इस जुलूस में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हुए। एसडीओपी नवीन दुबे और छतरपुर ट्रैफिक प्रभारी बृहस्पति साकेत भी इनमें नजर आए। लेकिन, हैरानी बात यह रही कि डाकखाना चौराहे पर ये दोनों अधिकारी घोड़े पर सवार होकर हाथों में इस्लामिक झंडे लिए हुए दिखाई दिए। इस दौरान किसी ने वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आते ही पुलिस विभाग में इस पर चर्चा शुरू हो गई। वायरल हो रहे वीडियो में दोनों अधिकारी घोड़े पर सवार हैं और हाथों में इस्लामिक झंडा पकड़े हुए हैं। इस दौरान जुलूस में शामिल मुस्लिम समाज के लोग नारा ए तकबीर का नारा लगाना शुरू कर देते हैं। जिस पर ये अधिकारी झंडा लहराते हुए और हाथ उठाकर नारे का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। जांच के लिए टीम गठित -इन अधिकारियों का वीडियो वायरल होते ही पुलिस महकमे में हलचल मच गई। डीआईजी ललित शाक्यवार ने दोनों अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और मामले की जांच के लिए एक टीम गठित करने के आदेश जारी किए।

थमाया कारण बताओ नोटिस -एसपी अगम जैन ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है, उनके जवाब के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल में आज भी गणेश प्रतिमाओं का हो रहा विसर्जन, हजारों क्विंटल पूजन सामग्री एकत्र, निगम करेगा उपयोग

भोपाल। गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन रविवार को भी जारी है। भोपाल के 8 बड़े घाट और 33 अस्थायी कुंड में शनिवार सुबह से ही विसर्जन चल रहा है। अब तक छोटी बड़ी मूर्तियां को मिलाकर एक लाख से ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। इस बार फूल-माला और अन्य पूजा सामग्री को अलग से एकत्रित किया जा रहा है। जिसका निगम दोबारा उपयोग करेगा।

राजधानी भोपाल में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन रविवार को भी जारी है। भोपाल के 8 बड़े घाट और 33 अस्थायी कुंड में शनिवार सुबह से ही गणेश मूर्तियों का विसर्जन चल रहा है। निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अब तक छोटी बड़ी मूर्तियां को मिलाकर एक लाख से ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। खास बात यह है कि इस बार मूर्ति विसर्जन के साथ घाटों में पहुंच रहे फूल माला और अन्य पूजा सामग्री को अलग से एकत्रित किया जा रहा है। जिसका निगम दोबारा उपयोग करेगा।

एक-एक पूजन सामग्री का होगा उपयोग

विसर्जन घाट पर निरीक्षण करने पहुंची महापौर मालती राय ने लोगों से फूल, माला, वस्त्र, अगरबत्ती, नारियल समेत अन्य सभी पूजन सामग्री दान की अपील की है। महापौर ने कहा एक एक पूजन सामग्री का उपयोग होगा। श्री गणेश के वस्त्रों से पूजा के बैग बनेंगे, सुगंधित फूलों से अगरबत्तियां बनेगी। मालाओं का उपयोग खाद बनाने में होगा। अगरबत्तियों और पंडाल के बांसों से ट्री गार्ड बनेंगे। अब तक हजारों क्विंटल पूजन सामग्री का एकत्रीकरण हुआ है। शहर की सभी वाटर बॉडी भी विसर्जन से प्रदूषित नहीं होगी।घाटों पर अधिकारियों की लगाई ड्यूटी

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण के साथ सभी घाटों पर पहुंचे और विर्सजन का जायजा लिया। कलेक्टर ने बताया कि सुरक्षा के साथ मूर्तियों का विसर्जन कराया जा रहा है। सभी विसर्जन घाट पर एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत पुलिस और नगर निगम की टीमें तैनात की गई हैं। राजधानी में अब तक करीब एक लाख से अधिक मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। इसमें तकरीबन 75 हजार गणेश प्रतिमाएं घाट पर वहीं करीब 25 हजार मूर्तियों का विसर्जन लोगों ने घरों के आसपास किया है।

गणेश उत्सव के मंच पर फिल्मी गानों पर अश्लील डांस, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

शिवपुरी। करैरा में शुक्रवार की रात गणेश महोत्सव के दौरान नगर परिषद करैरा द्वारा नगर के मुख्य चौराहे पर पुलिस सहायता केंद्र के पास मंच लगाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। उक्त आयोजन में धार्मिक माहौल के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर जमकर फूहड़ता परोसी गई। नगर परिषद के मंच पर परोसी गई यह फूहड़ता पर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है और लोग जमकर तंज कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि करैरा में हर साल त्रयोदशी पर गणेश विसर्जन और चल समारोह का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में इस साल नगर परिषद करैरा द्वारा नगर के मुख्य चौराहे पर पुलिस सहायता केंद्र के पास मंत्र सजाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के लिए बाहर से मंडली बुलाई गई। रात को मंत्र पर गणेश सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए। शुरूआत में एकाध डांस तो भजन आदि पर हुआ होगा, लेकिन इसके बाद मंत्र से डांसरों ने फिल्मी गानों पर जमकर ठुमके लगाए।

इस दौरान मंत्र पर नगर परिषद के कई पार्षदों सहित नगर परिषद अध्यक्ष शारदा रावत के पति रामस्वरूप रावत भी बैठे हुए नजर आए। मंच के नीचे हजारों लोगों की भीड़ थी। लोगों ने मंत्र पर चल रहे डांस की वीडियो बना-बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी।

शहडोल में अब QR कोड से सुनी जाएगी पुलिस की शिकायत, एसपी ने किया नया प्रयोग

शहडोल। जिले की आम जनता की ही नहीं, अब पुलिस कर्मियों की शिकायत व समस्याओं का समाधान त्तक्रकोड के माध्यम से होगा। शहडोल पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने एक और नया प्रयोग किया है जिसमें पुलिस कर्मी त्तक्र कोड से अपनी शिकायत कर सकेंगे। अभी 950 पुलिस कर्मियों के लिए खास क्यूआर कोड व्यवस्था लागू की है। इसके जरिए आरक्षक से लेकर थाना प्रभारी स्तर तक के पुलिस कर्मी अपनी समस्याएं गुप्त रूप से दर्ज करा सकेंगे। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों की फरियाद सुनने के लिए नवाचार के रूप में नई व्यवस्था शुरू की है।

शिकायत दर्ज करने के बाद ऑनलाइन पावती-वेतन, भत्ते, ड्यूटी का मामला हो या कोई और समस्या... सब कुछ की ऑनलाइन शिकायत दर्ज होगी और तुरंत समाधान भी होगा। इस क्यूआर कोड पर दर्ज की गई समस्याओं का न सिर्फ मूल्यांकन किया जाएगा, बल्कि उनके निवारण के लिए तत्काल कदम उठाए जाएंगे। खास बात यह है कि पुलिसकर्मियों को अपनी शिकायत दर्ज करने के बाद उसकी ऑनलाइन पावती भी प्राप्त होगी। वेतन, भत्ते और अन्य व्यक्तिगत व विभागीय परेशानियां अब सीधे इस सिस्टम के जरिए एसपी तक पहुंचेगी।

समस्याएं गुप्त तरीके से दर्ज कराने की सुविधा- एसपी राम जी श्रीवास्तव ने इससे पहले भी आम नागरिकों और छात्राओं की सुरक्षा व समस्याओं के समाधान के लिए क्यूआर कोड जारी किया था, जिसका अच्छा परिणाम सामने आया है । अब वही व्यवस्था पुलिस विभाग के भीतर भी लागू की गई है। इस अभिनव पहल की जिलेभर में जमकर तारीफ हो रही है। पुलिस महकमे के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि पहली बार शहडोल में पुलिसकर्मियों को अपनी समस्याएं सीधे और गुप्त तरीके से दर्ज कराने की सुविधा मिली है।

जिले में पदस्थ लगभग 950 पुलिसकर्मी-इस पूरे मामले में शहडोल एसपी रामजी श्रीवास्तव का कहना है कि शहडोल जिले में पदस्थ लगभग 950 पुलिसकर्मियों के व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित समस्या दूर करने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय से त्तक्र कोड जारी किया गया, इस त्तक्र कोड स्कैन करके संबंधित पुलिसकर्मी उनकी समस्या जैसे वेतन संबंधित उनके एलाउंसेस संबंधित जैसे अन्य समस्या दर्ज कर सकेंगे, जिसका निराकरण किया जाएगा।

वैष्णो देवी की ट्रेन बहाली से मिली राहत, लेकिन रिजर्वेशन में गड़बड़ी से यात्री परेशान

जबलपुर। रेलवे ने निरस्त की गई जबलपुर-श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा साप्ताहिक एक्सप्रेस (11449-50) को बहाल कर राहत देने की घोषणा की है। लेकिन यात्रियों को झटका तब लग रहा है जब इस ट्रेन में वापसी की टिकट बुक नहीं हो रही है। एक छोर से सीटों की बुकिंग होने और दूसरे छोर से रेल आरक्षण खिड़की पर ट्रेन निरस्त बताने से यात्री असमंजस में है। पश्चिम मध्य रेल की यह ट्रेन जबलपुर-कटरा के मध्य सीधी एकमात्र रेलसेवा है। यह ट्रेन कटरा के साथ ही जम्मू, पंजाब एवं हरियाणा के कुछ प्रमुख शहरों को भी सीधा जोड़ती है। रेलवे के अचानक ट्रेन को दो सितंबर से एक अक्टूबर के बीच निरस्त किए जाने से कई यात्री संकट में फंस गए थे। जिन्होंने ट्रेन के 10 सितंबर से पुन- बहाल किए जाने पर राहत की सांस ली। लेकिन अब कटरा से जबलपुर के लिए टिकट बुक नहीं होने से यात्री भ्रमित हैं।

पांच फेरे निरस्त, किए एक फेरे के बाद ही बदला आदेश- जबलपुर-एसवीडीके-जबलपुर एक्सप्रेस (11449-50) पंजाब में वर्षा से जम्मू रेल मंडल के कठुआ-माधोपुर पंजाब रेलखंड की डाउन लाइन पर यातायात प्रभावित था। जिसके कारण जबलपुर-एसवीडीके एक्सप्रेस के पांच फेरे निरस्त कर दिए गए थे। लेकिन एक फेरा निरस्त करने के बाद ही अगले फेरे से ट्रेन को बहाल करने का निर्णय किया गया।

हुकमचंद मिल की नरकासुर झांकी को मिला पहला पुरस्कार, दूसरा पुरस्कार राजकुमार और मालवा मिल की झांकी को

इंदौर। सुबह तक झांकियां लौटने के बाद निर्णायक कमेटी ने झांकियों को लेकर निर्णय सुनाया। पहले स्थान पर हुकमचंद मिल की नरकासुर की झांकी रही, जबकि दूसरे क्रम संयुक्त रुप से राजकुमार मिल की लंका दहन झांकी और मालवा मिल की भगत के वश में भगवान विषय पर बनी झांकी को मिला। राजकुमार मिल की झांकी सबसे देरी से सुबह सात बजे निर्णायक मंच के सामने आई थी, लेकिन पुरस्कार पा गई।

रात को राजकुमार मिल की झांकी की बिजली भी बार-बार बंद हो रही थी और ट्राला भी खराब होने के कारण उसे देर लगी। तीसरे क्रम पर आपरेशन सिंदूर पर बनी कल्याण मिल की झांकी को पुस्कार मिला। विशेष पुरस्कार स्वदेशी मिल व होप मिल की झांकी को मिला है।नगर निगम व इंदौर विकास प्राधिकरण की झांकियां पुरस्कार की श्रेणी से बाहर रही। इस बार अखाड़ों के साथ भी कुछ झांकियां नजर आई। कछुए की झांकी को काफी लोगों ने सराहा। झांकी निर्माण करने वाले श्रमिकों को इस बार सबसे बड़ी चिंता बारिश की थी,क्योकि बारिश होने पर झांकियां खराब हो जाती है, लेकिन शनिवार रात बारिश नहीं हुई।

शहर के बैंड भी हुए शामिल- इस बार चल समारोह में झांकियां और अखाड़ों के अलावा शहर के कई बड़े बैंड भी शामिल हुए। बैंड मास्टरों ने भी आग्रह किया है कि अच्छे बैंडों को भी उनकी प्रस्तुति के आधार पर पुरस्कार दिया जाना चाहिए।

भीड़ नियंत्रण में इंदौर पुलिस का नवाचार

इंदौर। प्रदेश में पहली बार भीड़ नियंत्रण के लिए एक विशेष ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही है। आज अनंत चतुर्दशी में भीड़ नियंत्रण व निगरानी के लिए इंदौर पुलिस इसका उपयोग कर रहा है। इस ड्रोन की विशेषता यह है कि इसमें पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम भी इनबिल्ट है। जो जमीन से 120 मीटर ऊपर से भी अनाउंस कर सकता है। साथ ही 2 से 5 किमी.की रेंज तक इसका कैमरा प्रभावी निगरानी योग्य है। यह ड्रोन लगातार 40 मिनट तक उड़ान भर सकता है। इसके अलावा यह जूम कैमरा और सर्च लाइट यूक्त है। आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह ने इस विशेष ड्रोन का झांकिया निकलने से पूर्व कृष्णपुरा छत्री स्थल पर परीक्षण किया। इस विशेष ड्रोन को ड्रोन स्टार्क के नाम से भी जाना जाता है।

सुबह सात बजे तक निकली झांकियां, पुलिस ने अखाड़ों को लौटाया

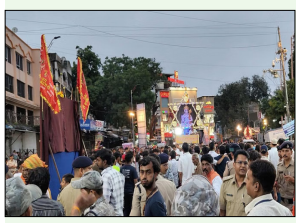

इंदौर। इंदौर की सड़कों पर सुबह तक झांकियों का कारवां नजर आया। निर्णायक मंच के सामने से राजकुमार मिल की झांकी सुबह 7.10 बजे निकली। रात को जागे लोग तो सुबह घरों की तरफ लौटना शुरू हो गए थे, लेकिन सुबह झांकियां देखने उठे लोग सड़कों पर नजर आए।

सुबह छह बजे पुलिस जवानों ने अखाड़ों को कृष्णपुरा छत्री की तरफ रोककर लौटने के लिए कहा, लेकिन उस्ताद-खलिफा अड़े रहे। सुबह के उजाले में स्वदेशी मिल और राजकुमार मिल की झांकी को लोगों ने निहारा। इस कारण निर्णायक मंच को भी निर्णय लेने में देरी हुई। बीते तीन-चार वर्षों से झांकियां सुबह छह बजे तक मिलों की तरफ लौटने लगती थी। इसकी वजह यह रहती थी कि अनुभवी अफसर अखाड़ों को चल समारोह में जल्दी बढ़ाने के दबाव बनाते थे, लेकिन इस बार अफसर इसमें चूक कर गए। जो अखाड़े अपनी झांकियों के क्रम से पिछड़ गए थे, वे दूसरी झांकियों के साथ शामिल हो गए। इस कारण स्वदेशी हयर राजकुमार मिल की झांकी सुबह तक सड़क पर रही।

नवोदित कलाकारों के लिए देवास में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का केंद्र स्थापित करना चाहते हैं अभिनेता चेतन पंडित

इंदौर। सुप्रसिद्ध अभिनेता चेतन पंडित की ख्वाहिश है कि कला एवं संस्कृति के उन्नयन के लिए उनकी जन्मस्थली देवास में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का केंद्र स्थापित हो। इस कार्य के लिए वे अपनी ओर से जमीन भी उपलब्ध कराने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अपने जीवन काल में जो तकलीफ सहन की और संघर्ष किया है वो नहीं चाहते नई पीढ़ी यह सब बर्दाश्त करे।

श्री पंडित स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छोटे और बड़े परदे पर लगभग तीस साल के अनुभव के बाद उन्हें यह महसूस हो रहा है कि नई पीढ़ी के कलाकारों को कला एवं संस्कृति क्षेत्र में नई तकनीक और उच्च श्रेणी के प्रशिक्षण की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि का कर्ज उतारने के लिए देवास में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के केंद्र की स्थापना के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर, देवास, उज्जैन के कलाकारों के लिए यह केंद्र प्रशिक्षण के साथ प्रदर्शन के लिए भी उपलब्ध रहेगा।

उन्होंने कहा कि वे अपने जीवन में अंतिम समय तक रंगमंच के लिए जुनून को जिन्दा रखेंगे। गंगाजल, अपहरण, लोकनायक, राजनीति, चक्रव्यूह, जंजीर, तक्षक जैसी फिल्मों और पुनर्विवाह, कहीं तो होगा, सरस्वती चन्द्र, कलश, पवित्र रिश्ता, सपने सुहाने लड़कपन के सीरियल में प्रभावी अभिनय करने वाले श्री पंडित ने कहा कि जब वे इंदौर से नाट्य अभिनय की शिक्षा लेकर मुंबई गए तो उन्हें हतोत्साहित करने की खूब कौशिश हुई।

तुलसी नगर में गौमाता की पूंछ काटकर मंदिर परिसर में टांगी

इंदौर। शहर के वार्ड क्रमांक 37 के तुलसी नगर कॉलोनी में शनिवार सुबह घटित एक शर्मनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। सरस्वती मंदिर की बाउंड्रीवॉल पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने गौमाता की कटी पूंछ लटकाकर न केवल हिंदू समाज की आस्था को ठेस पहुंचाई, बल्कि क्षेत्र की शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की नापाक कोशिश भी की। घटना के बाद तुलसी नगर और आसपास के रहवासी, गौ रक्षा समिति और बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और कड़े शब्दों में इस कृत्य की निंदा करते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की।

मंदिर प्रांगण में सीसीटीवी बंद होने से रहवासियों में आक्रोश- पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और गौमाता की पूंछ को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। हालांकि जांच में सामने आया कि मंदिर परिसर के सभी सीसीटीवी कैमरे लंबे समय से बंद थे, जिससे रहवासियों का आक्रोश और बढ़ गया। उन्होंने सरस्वती मंदिर प्रांगण एवं उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को तुरंत चालू कराने और क्षेत्र में नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की।

दोपहर में गौ रक्षा समिति, बजरंग दल और स्थानीय रहवासियों का प्रतिनिधिमंडल लसुड़िया थाने पहुंचा और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर बजरंग दल संयोजक लक्की रघुवंशी, विश्व हिंदू परिषद सहमंत्री जगन्नाथ जिला विजय पटेल, गौ रक्षा समिति के अमोल पाटिल, करणी सेना के गोल्डी चौहान, राजेश तोमर, करण रघुवंशी, राकेश जायसवाल, भरत पटेल, ऋषुराज कदम समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अभा माहेश्वरी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन...देश विदेश से हजारों समाज जनों की सहभागिता

इंदौर। परिचय सम्मेलन आज के समय की आवश्यकता है,इसमें समय और धन दोनों की बचत होती है वहीं सैकड़ो परिवार एक छत के नीचे एक समय में अनेक परिवारों से मिल सकते हैं विचारों को साझा कर सकते है। देश में इंदौर शहर की अपनी अलग विशिष्ठ पहचान है यहां आकर विचारों में सकारात्मकता आती है और संदेश भी आसानी से बड़े स्तर पर पहुंचता है। उक्त विचार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजकुमार काल्या ने कहे।

श्री काल्या ने आगे कहा कि शादी की सही उम्र 21 से 24 वर्ष इस उम्र में शादी होने से संतान उत्पति भी सशक्त ओर मजबूत होती है विकृतियां भी नहीं रहती। वर्तमान समय में विकृतियां है मन चाही पसंद और करियर के चक्कर में युवा 30 से 35 वर्ष तक कुंवारे नजर आ रहे है।

पश्चिम मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी युवा सभा एवं प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित दो दिवसीय युवक की युवती परिचय सम्मेलन के पहले दिन अतिथियों ने उद्घाटन सत्र के दौरान अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक ईनाणी,आनंद नागोरी राधे तोषनीवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रचार प्रमुख गोपाल राठी एवं देवेंद्र ईनाणी ने बताया कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण कर किया,इस अवसर पर जय महेश का उद्घोष से दस्तूर गार्डन का भव्य पंडाल गुंजायमान हो गया।

इंदौर जिले में भारी वर्षा, गौतमपुरा में सबसे अधिक

इंदौर। इंदौर जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान भारी वर्षा दर्ज की गई। शनिवार सुबह 8:30 बजे समाप्त हुए इस अवधि में इंदौर शहर में लगभग 2 इंच वर्षा हुई। जिले में सर्वाधिक वर्षा गौतमपुरा क्षेत्र में दर्ज की गई, जहाँ सवा 3 इंच से अधिक बारिश हुई। लगातार हो रही वर्षा से जिले में अब तक का आंकड़ा गत वर्ष की इसी अवधि में हुई वर्षा से आगे निकल चुका है। वर्षा की इस रफ्तार से नदी-नालों और जलाशयों में जलस्तर में भी वृद्धि हुई है।

ध्वनि प्रदूषण करने वाले वाहनों से स्पीकर के कनेक्शन काटे गए

इंदौर। अनंत चतुर्दशी चल समारोह की झांकी में शामिल वाहनों में दो से अधिक स्पीकर पाए जाने पर की गई कार्रवाई। जिला प्रशासन के अमले ने अधिक पाए गए स्पीकरों के वायर काटे। यह कार्रवाई कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा किए जा रहे झांकी मार्ग के निरीक्षण के दौरान की गई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने झांकी मार्ग पर विभिन्न व्यवस्थाओं को दिखा और जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करवाई।

अब आयुष्मान सखी वॉट्सएप चैटबाट पर मैसेज करके पा सकते हैं आयुष्मान योजना से जुड़ी सारी जानकारी

इंदौर। आयुष्मान भारत निरामय योजना का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों को दिलाने के उद्देश्य से आयुष्मान सखी व्हाट्सएप चैट बाट की शुरुआत की गई है। इसे आयुष्मान सखी के नाम दिया गया है। आयुष्मान सखी एक व्हाट्सएप डिजिटल हेल्प डेस्क है जो मध्य प्रदेश राज्य स्वास्थ्य एजेंसी के द्वारा MPseDC के सहयोग से विकसित की गई है। यह 24×7 सेवा है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति व्हाट्सएप नंबर 0755- 2762582 पर नमस्ते या ॥द्ध मैसेज भेजकर आयुष्मान भारत योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकता है। इसमें कई विकल्प दिखाई देते हैं जिन्हें चुनकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शिप्रा में कार गिरी-टीआई, एसआई के शव मिले, महिला कांस्टेबल की तलाश जारी

उज्जैन । जिले की शिप्रा नदी में कार गिरने से लापता हुए दो पुलिसकर्मियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, लापता महिला आरक्षक की तलाश की जा रही है। नदी से जो दो शव बरामद हुए हैं उनकी पहचान उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निमामा के रूप में हुई है। महिला आरक्षण आरती पाल अभी भी लापता है।

दरअसल, शनिवार रात को शिप्रा नदी के बड़े पुल से एक कार असंतुलित होकर नीचे पानी में गिर गई थी। इसके बाद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस, नगर निगम, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की टीम कार और उसमें फंसे लोगों की तलाश मे जुट गई। रात करीब नौ बजे से शुरू हुए रेस्क्यू ऑपरेशन में देर रात तक पुलिस को सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह छह बजे एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस को भैरवगढ़ क्षेत्र में नदी में एक शव होने की सूचना मिली।पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नदी के बाहर निकाला, जो उन्हेल के थाना प्रभारी अशोक शर्मा का था। इस दौरान पुलिस को पता चला कि जो कार नदी में गिरी थी वह पुलिसकर्मी की ही थी। कार में थाना प्रभारी अशोक शर्मा के साथ सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा और महिला आरक्षक आरती पाल भी सवार थे।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा, सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा और महिला आरक्षक आरती पाल शनिवार को गुराडिया-सांगा क्षेत्र से लापता हुई 14 साल की बालिका की तलाश में चिंतामण जा रहे थे। इस दौरान यह हादसा हो गया। एसपी शर्मा ने कहा कि संभवतः कार महिला आरक्षक आरती चला रही थीं, इस दौरान शिप्रा नदी के बड़े पुल से अनियंत्रित होकर कार नदी में गिर गई। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी अशोक शर्मा के बाद सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा का भी शव नदी से बाहर निकाल लिया है। महिला आरक्षक आरती पाल और कार की तलाश की जा रही है।

10 उपवास की निर्जला तपस्या पूर्ण होने पर निकला वरघोड़ा

उज्जैन। शहर में रविवार सुबह एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। तपस्वी संदीप पतंगया की 10 उपवास की निर्जला तपस्या पूर्ण होने पर गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य वरघोडा निकाला गया। इसमें सैकड़ों समाजजन, महिलाएँ और युवा बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए। वरघोडे के मार्ग पर जगह-जगह पुष्पवर्षा की गई और लोगों ने तपस्वी का सम्मान कर गर्व का अनुभव किया।

आशीष नांदेचा ने बताया कि वरघोडा टावर चौक से शुरू होकर लक्ष्मी नगर मंदिर परिसर पहुँचा, जहाँ धार्मिक विधि-विधान और मंगल ध्वनियों के बीच तपस्वी का पारणा कराया गया। इस अवसर पर वातावरण भक्तिभाव और उत्साह से सराबोर रहा। समाजजनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। तपस्या पूर्ण होने पर नगर की अनेक सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं ने संदीप पतंगया का भव्य अभिनंदन किया। मोती मालाएँ पहनाकर और प्रशस्ति-पत्र भेंट कर उनके संयम और साधना की अनुमोदना की गई। समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि संदीप का यह तप युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर संदीप पतंग्या ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा ÷यह मेरी लगातार दूसरी 10 उपवास की निर्जला तपस्या है। तप से मिलने वाली आत्मशक्ति और संतोष की अनुभूति अवर्णनीय है। मैं संकल्प करता हूँ कि भविष्य में भी इस मार्ग पर चलता रहूँगा। उनके शब्दों ने उपस्थित समाजजनों को गहराई तक प्रभावित किया।

तपस्या की पूर्णता पर संदीप पतंग्या परिवार में अपार खुशी और गर्व का वातावरण रहा। परिवारजन ने कहा कि यह तपस्या न केवल उनके लिए बल्कि पूरे समाज के लिए गौरव का विषय है। जैन सोश्यल ग्रुप सार्थक के आशीष पीपाड़ा ने बताया कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक अवसर नहीं रहा, बल्कि संयम, आस्था और आत्मबल का अनुपम उदाहरण भी बन गया।

जाति के कॉलम में 'सेन समाज' का नाम दर्ज करें

उज्जैन। उज्जैन सहित पूरे देश में आगामी समय में जातिगत जनगणना प्रारंभ होगी। ऐसे में भारतीय सेन समाज ने समस्त समाजजनों से निवेदन किया है कि जाति जनगणना में हमारी अपनी जाती का विवरण अवश्य देवे, जाति के कॉलम में सेन समाज का नाम दर्ज करें।

भारतीय सेन समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर परमार ने बताया कि संख्या में अधिक होने के बावजूद हमारे समाज से राजनीति में न तो विधायक है, न सांसद है और न ही उच्च पदों पर कोई नहीं है। यदि समाज की संख्या अधिक होगी तो हम राजनीति में उच्च पद के लिए मांग कर सकते है। भारतीय सेन समाज के कार्य वाहक अध्यक्ष मनोहर परमार, ओम लाहौरी, संतोष वर्मा, जगदीश देवड़ा, अर्जुन वर्मा, वीरेंद्र परमार आदि।

लायंस क्लब उज्जैन फ्रेंड्स ने किया शिक्षक सम्मान

उज्जैन। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में लायंस क्लब उज्जैन फ्रेंड्स द्वारा शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर पीडीजी लायन अजय गुप्ता, रीज़न चेयरपर्सन लायन प्रदीप यादव, जोन चेयरपर्सन लायन संजय शाह, लायन राजेश बागरोला, लायन राजकुमार केवलरमानी, लायन हेमंत अरोरा, लायन उषा गुप्ता, लायन पूनम लुल्ला, अध्यक्ष लायन विनोद लुल्ला, सचिव राजकुमार सोनी, कोषाध्यक्ष लायन प्रवीण कस्बे द्वारा सेंट मेरीज़ कॉन्वेंट स्कूल उज्जैन के प्रिंसिपल सिस्टर सरिथा, प्राइमरी स्कूल प्रिंसिपल सिस्टर इग्निस सहित अन्य शिक्षकों का सम्मान स्कूल परिसर में किया गया।

8 दिवसीय अ.भा. संजा लोकोत्सव आरम्भ देशभर की लोक संस्कृति दिखाई एक मंच पर

उज्जैन। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा संस्कृति मंत्रालय नई दिल्ली, संस्कृति संचालनालय म.प्र., आई सी सी आर नई दिल्ली, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, मध्य प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति एवं विक्रम विश्वविद्यालय के सहयोग से मालवा की विलुप्त होती लोक कलाओं परम्परा के संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य आयोजित 8 दिवसीय अखिल भारतीय संजा लोकोत्सव के प्रथम दिवस वृहद स्तर पर लोकगीत और लोकनृत्य प्रतियोगिता कालिदास अकादमी के अभिरंग नाटक गृह में आयोजित की गई।

संस्था नृत्य विद्या प्रमुख लोकेश सिंह तोमर ने बताया कि संजा लोकोत्सव का शुभारंभ अनिल जैन कालूहेड़ा विधायक, श्रीपाद जोशी राष्ट्रीय नाट्य विधा सह प्रमुख संस्कार भारती, आनंद शर्मा जिला शिक्षा अधिकारी, कृष्णा वर्मा वरिष्ठ लोक कला मर्मज्ञ एवं माया बधेका नगर अध्यक्ष संस्कार भारती के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष डॉ शिव चौरसिया, सचिव कुमार किशन, प्रवीण चतुर्वेदी, सिद्धार्थ भागचंदानी ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा संस्था निदेशक डॉ. पल्लवी किशन ने बताई। संचालन शेफाली चतुर्वेदी ने किया।

लोकेश सिंह तोमर ने बताया कि प्रथम दिन 7 सितंबर को सामूहिक लोकगीत, सामूहिक लोकनृत्य एवं एकल लोकनृत्य की प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें उज्जैन और उसके आसपास के अन्य क्षेत्रों के लगभग 450 प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया। लोकगीत के निर्णायक के रूप में कृष्णा वर्मा, माधव तिवारी, उज्ज्वला दुबे एवं लोकनृत्य के निर्णायक के रूप में प्रमोद मेहता इंदौर, संजय महाजन बड़वाह, सीमा शर्मा नागदा विशेष रूप से आमंत्रित किए गए।

अ. भा. संजा लोकोत्सव में द्वितीय दिवस आज 8 सितंबर को विद्यार्थियों को मालवी लोक कला एवं संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से कालिदास कन्या महाविद्यालय देवास गेट पर दोपहर 12 बजे संजा एवं मांडना विषय पर लेक्चर डेमोंसट्रेशन का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ मालवी साहित्यकार डॉ शिव चौरसिया, डॉ. शैलेंद्र कुमार शर्मा एवं डॉ पल्लवी किशन द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया जाएगा एवं संजा बनाने के प्रशिक्षण के साथ ही मालवी लोक नृत्य की प्रस्तुति प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था के कलाकारों द्वारा दी जाएगी।

वोटर अधिकार यात्रा में ब्लॉक प्रभारी बने महेश पटेल

उज्जैन। 12 सितम्बर को होने वाली ÷वोटर अधिकार यात्रा÷ में जिला किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल को तराना विधानसभा में तराना ब्लॉक का प्रभारी नियुक्त किया।

जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश परमार विधायक ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, सह प्रभारी संजय दत्त एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार देश में चल रही मतदाता सूची में हेराफेरी को उजागर करना, वोट चोरी को रोकना और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना है। ÷वोटर अधिकार यात्रा÷ की सफलता हेतु संगठन के प्रति निष्ठा और सक्रियता को देखते हुए महेश पटेल को तराना ब्लॉक प्रभारी नियुक्त किया गया। साथ ही आशा व्यक्त की कि श्री पटेल संगठन हित में इस ÷वोटर अधिकार यात्रा÷ में अपनी सहभागिता पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वाह करेंगे। उक्त जानकारी पूर्व जनपद पंचायत सदस्य कमल चौधरी ने दी।

वेद मर्मज्ञ पंडित राजेंद्र व्यास का सारस्वत सम्मान

उज्जैन। औदीच्य ब्रहामण समाज द्वारा वरिष्ठ जनों के सारस्वत अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

संस्कृत, वेद, हिन्दी साहित्य के विद्वान वेद मर्मज्ञ, वेदाचार्य पंडित राजेंद्र व्यास का 90 वर्ष की आयु में समाज द्वारा शाल, श्रीफल, मोमेंटो, अभिनंदन पत्र भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com